

श्री कृष्णाष्टोत्तर शत नामावलि

- ॐ कृष्णाय नमः
 ॐ कमलनाथाय नमः
 ॐ वासुदेवाय नमः
 ॐ सनातनाय नमः
 ॐ वसुदेवात्मजाय नमः
 ॐ पुण्याय नमः
 ॐ लीलामानुष विग्रहाय नमः
 ॐ श्रीवत्स कौस्तुभधराय नमः
 ॐ यशोदावत्सलाय नमः
 ॐ हरिये नमः ॥ 10 ॥
 ॐ चतुर्भुजात्त चक्रासिगदा नमः
 ॐ सङ्खाम्बुजा युदायुजाय नमः
 ॐ देवाकीनन्दनाय नमः
 ॐ श्रीशाय नमः
 ॐ नन्दगोप प्रियात्मजाय नमः
 ॐ यमुनावेगा संहारिणे नमः
 ॐ बलभद्र प्रियनुजाय नमः
 ॐ पूतनाजीवित हराय नमः
 ॐ शकटासुर भञ्जनाय नमः
 ॐ नन्दव्रज जनानन्दिने नमः ॥ 20 ॥
 ॐ सच्चिदानन्द विग्रहाय नमः
 ॐ नवनीत विलिप्ताङ्गाय नमः
 ॐ नवनीत नटनाय नमः
 ॐ मुचुकुन्द प्रसादकाय नमः
 ॐ षोडशस्त्री सहस्रेशाय नमः
 ॐ त्रिभङ्गिने नमः
 ॐ मधुराकृतये नमः
 ॐ शुकवाग मृताब्दीन्दवे नमः
 ॐ गोविन्दाय नमः
 ॐ योगिनां पतये नमः ॥ 30 ॥
 ॐ वत्सवाटि चराय नमः
 ॐ अनन्ताय नमः
 ॐ दैनुकासुरभञ्जनाय नमः
 ॐ तृणी कृत तृणा वर्ताय नमः

ॐ यमलार्जुन भञ्जनाय नमः
 ॐ उत्तलोत्ताल भेत्रे नमः
 ॐ तमाल श्यामलाकृतिये नमः
 ॐ गोपगोपीश्वराय नमः
 ॐ योगिने नमः
 ॐ कोटिसूर्य समप्रभाय नमः ॥ 40 ॥
 ॐ इलापतये नमः
 ॐ परञ्ज्योतिषे नमः
 ॐ यादवेन्द्राय नमः
 ॐ यदूद्वहाय नमः
 ॐ वनमालिने नमः
 ॐ पीतवासने नमः
 ॐ पारिजातपहारकाय नमः
 ॐ गोवर्धनाच लोद्धर्त्रे नमः
 ॐ गोपालाय नमः
 ॐ सर्वपालकाय नमः ॥ 50 ॥
 ॐ अजाय नमः
 ॐ निरञ्जनाय नमः
 ॐ कामजनकाय नमः
 ॐ कञ्जलोचनाय नमः
 ॐ मधुघ्ने नमः
 ॐ मधुरानाथाय नमः
 ॐ द्वारकानायाय नमः
 ॐ बलिने नमः
 ॐ बृन्दावनान्त सञ्चारिणे नमः
 ॐ तुलसीदाम भूषणाय नमः ॥ 60 ॥
 ॐ शमन्तक मणेरर्हर्त्रे नमः
 ॐ नरनारयणात्मकाय नमः
 ॐ कुञ्ज कृष्णाम्बरधराय नमः
 ॐ मायिने नमः
 ॐ परमपुरुषाय नमः
 ॐ मुष्टिकासुर चाणूर नमः
 ॐ मल्लयुद्ध विशारदाय नमः
 ॐ संसारवैरिणे नमः
 ॐ कंसारये नमः
 ॐ मुरारये नमः ॥ 70 ॥
 ॐ नाराकान्तकाय नमः
 ॐ अनादि ब्रह्मचारिणे नमः

ॐ कृष्णाव्यसन कर्शकाय नमः
 ॐ शिशुपालशिच्चेत्रे नमः
 ॐ दुर्योधनकुलान्तकाय नमः
 ॐ विदुराक्रूर वरदाय नमः
 ॐ विश्वरूपप्रदर्शकाय नमः
 ॐ सत्यवाचे नमः
 ॐ सत्य सङ्कल्पाय नमः
 ॐ सत्यभामारताय नमः ॥ 80 ॥
 ॐ जयिने नमः
 ॐ सुभद्रा पूर्वजाय नमः
 ॐ विष्णवे नमः
 ॐ भीष्ममुक्ति प्रदायकाय नमः
 ॐ जगद्गुरवे नमः
 ॐ जगन्नाथाय नमः
 ॐ वेणुनाद विशारदाय नमः
 ॐ वृषभासुर विद्वंसिने नमः
 ॐ बाणासुर करान्तकृते नमः
 ॐ युधिष्ठिर प्रतिष्ठात्रे नमः ॥ 90 ॥
 ॐ बर्हिर्बर्हावतंसकाय नमः
 ॐ पार्थसारथिये नमः
 ॐ अव्यक्ताय नमः
 ॐ गीतामृत महोधदिये नमः
 ॐ कालीय फणिमाणिक्य रञ्जित
 श्री पदाम्बुजाय नमः
 ॐ दामोदराय नमः
 ॐ यज्जन्भोत्रते नमः
 ॐ दानवेन्द्र विनाशकाय नमः
 ॐ नारायणाय नमः
 ॐ परब्रह्मणे नमः ॥ 100 ॥
 ॐ पन्नगाशन वाहनाय नमः
 ॐ जलक्रीडा समासक्त नमः
 ॐ गोपीवस्त्रापहाराकाय नमः
 ॐ पुण्यश्लोकाय नमः
 ॐ तीर्थकृते नमः
 ॐ वेदवेद्याय नमः
 ॐ दयानिधये नमः
 ॐ सर्वतीर्थात्मकाय नमः
 ॐ सर्वग्रह रुपिणे नमः

ॐ परात्पराय नमः ॥ 108 ॥